AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : कम अवधि के कोर्सों से बढ़ेगी आय

विदेशी विद्यार्थियों से मिलती है डॉलर में फीस, सुविधाओं में होगा इजाफा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए अब सिर्फ सरकार के भरोसे नहीं रहेगा। अन्य स्रोत के साथ ही विदेशी विद्यार्थियों से मिली फीस भी आय का बड़ा जरिया होगी। इससे विवि के लिए नए आर्थिक द्वार खुलेंगे और सुविधाओं में इजाफा हो सकेगा।

राज्य विश्वविद्यालय होने के बावजूद करीब 30 साल पहले लविवि का बजट फ्रीज कर दिया गया था। तब से लविवि को सरकार से सालाना बजट के रूप सिर्फ करीब चालीस करोड़ रुपये ही मिलते हैं। इसकी वजह से लविवि में विकास के तमाम काम नहीं हो पाते हैं। विद्यार्थियों के क्लासरूम की समस्या है। यहां तक कि इतना पुराना विवि होने के बावजूद अब भी लविवि के पास खुद का ऑडिटोरियम नहीं है। दीक्षांत समारोह समेत अन्य आयोजन खुले मैदान में कराने होते हैं।

इंजीनियरिंग संकाय बनने के बाद फार्मेसी की पढ़ाई शुरू होने से लविवि की आर्थिक तंगी थोड़ी दूर हुई है। इसी कड़ी में अब विदेशी विद्यार्थियों के लिए कम अवधि वाले कोर्स शुरू करने की तैयारी है। इसकी फीस भी तय हो चुकी है। अमेरिकन सेंटर नई दिल्ली के सहयोग से पर्शियन भाषा का एक बैच पढ़ाई भी कर चुका है। अब पर्शियन के साथ अरबी, हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत जैसी भाषाओं के कम अवधि के कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। लविवि में इस समय सौ से ज्यादा विदेशी बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। इनसे लविवि को डॉलर में फीस मिलती है जो दो करोड़ रुपये सालाना से ज्यादा होती है।

संसाधन बढ़ें तो पूरी हो शिक्षकों की कमी

- लविवि ने पिछले दो साल में शिक्षकों के काफी पदों पर भर्तियां की हैं। इसके बावजूद अब भी यहां शिक्षकों की कमी है। सरकार से लविवि को सिर्फ तय ग्रांट मिलती है। शिक्षकों का वेतन भी लविवि को खुद देना होता है। इसी वजह से जरूरत के मुताबिक शिक्षकों की भर्ती नहीं की जा रही है। ऐसा करने से लविवि का बजट गड़बड़ हो जाएगा।

इन सुविधाओं की जरूरत

- ऑडिटोरियम, विधि संकाय के लिए मूट कोर्ट, क्लासरूम, कला प्रांगण का जीर्णोद्धार, प्रयोगशाला में आधुनिक सुविधाएं, निर्बाध वाईफाई।

> दीर्घकालीन योजनाओं पर हो रहा काम
>
> लविवि दीर्घकालीन योजनाओं पर काम कर रहा है। इसी के तहत विदेशी विद्यार्थियों के लिए शॉर्टटर्म कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। इससे लविवि के लिए नए आर्थिक द्वार खुलेंगे। – **प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति लविवि**

पोषण विज्ञान में शुरू होगा नया कोर्स

लखनऊ। लविवि के डॉ. गिरी लाल गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड पब्लिक अफेयर्स-द्वितीय परिसर में सार्वजनिक स्वास्थ्य में पोषण विज्ञान का नया पाठ्यक्रम संचालित होगा। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार के तहत कुलपति प्रो. आलोक राय ने नए कोर्स की अनुमति प्रदान की है। संस्थान की निदेशक प्रो. शैली मलिक ने बताया कि यह दो वर्षीय चार सेमेस्टर पाठ्यक्रम पोषण के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा की आगामी और उभरती मांग को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। पाठ्यक्रम में कुल 30 सीटें हैं और फीस 35,130 रुपये प्रति सेमेस्टर होगी। प्रयोगशाला और क्षेत्र में सिद्धांत से अभ्यास तक संस्थागत, औद्योगिक और संगठनात्मक अनुभव दिया जाएगा। (संवाद)

महिला विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

लखनऊ। महिला विद्यालय डिग्री कॉलेज में स्नातक में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कॉलेज में आवेदन के दिन से ही विद्यार्थियों के लिए प्रवेश की सुविधा दी जाएगी। सत्र 2024-25 में बीए के सभी विषयों के साथ बीएससी और बीकॉम में आवेदन के लिए प्रॉस्पेक्टस व प्रवेश फॉर्म कॉलेज से मिलेगा। कॉलेज में बीए में 900, बीकॉम में 160, बीएससी बायो व गणित वर्ग में 420 जबकि बीएससी गृह विज्ञान में 60 सीटों पर प्रवेश होने है। आवेदन का प्रवेश शुल्क 700 रुपये है। (संवाद)

यूजीसी के मानकों पर बीबीए-बीसीए की पढ़ाई

लखनऊ। नेशनल पीजी कॉलेज ने यूजीसी व एआईसीटीई में बीबीए व बीसीए के लिए अनुमोदन की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को पूर्ण कर लिया है। प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में एआईसीटीई के मानकों के अनुसार बीबीए, बीसीए पाठ्यक्रम की शिक्षा दी जाएगी। कहा, नेशनल कॉलेज एक मात्र ऐसा महाविद्यालय है जिसने सबसे पहले एआईसीटीई में बीबीए और बीसीए के लिए अनुमोदन को पंजीकरण कराया है। (संवाद)

AMRIT VICHAR PAGE 3

क्लाइंट काउंसिलिंग में पंजाब विवि विजेता

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की एडीआर ड्राफ्टिंग एंड लिटरेसी सोसाइटी की ओर से आयोजित तीन दिवसीय नेशनल लॉ फेस्ट का समापन हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि चीफ स्टैंडिंग काउंसिल प्रशांत सिंह, विशिष्ट अतिथि डिप्टी डायरेक्टर प्रवीण कुमार त्रिपाठी मौजूद रहे।

प्रथम राउंड के आधार पर जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी की टीम सर्वश्रेष्ठ रही। क्लाइंट काउंसिलिंग में पंजाब विवि ने बेस्ट काउंसिल का अवॉर्ड प्राप्त किया। कोऑर्डिनेटर प्रो. हरिश्चंद्र राम ने बताया कि रविवार को विभिन्न प्रतियोगिताओं के फाइनल में सीनियर एडवोकेट हाईकोर्ट लखनऊ बेंच प्रशांत चंद्रा व संजय भसीन जज रहे। देशभर के 70 से अधिक विश्वविद्यालयों के 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, दिल्ली व जम्मू विवि, क्लाइंट काउंसिलिंग में महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी नागपुर व एनएमआईएमएस, लीगल क्विज में बीबीएयू व जोधपुर विवि और निगोसिएशन में सेंट जोसेफ लॉ कॉलेज बंगलूरू और पंजाब विश्वविद्यालय की टीम क्रमशः विजेता एवं उपविजेता रही। एडीआर ड्राफ्टिंग एंड लिटरेरी सोसाइटी की प्रेसिडेंट आरजू नायाब ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि में पोषण विज्ञान पर नया पाठ्यक्रम होगा शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पोषण विज्ञान पर नया पाठ्यक्रम खोला जायेगा। लविवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर यह निर्णय लिया गया। मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार और लोक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए लविवि के डॉ. गिरी लाल गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड पब्लिक अफेयर्स, द्वितीय परिसर में इसका प्रशिक्षण दिया जायेगा। संस्थान की निदेशक प्रो शैली मलिक ने बताया कि यह दो वर्षीय-4 सेमेस्टर पाठ्यक्रम पोषण के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा की आगामी और उभरती मांग को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम में नैदानिक पोषण विशेषज्ञ, सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण विशेषज्ञ और खाद्य सुरक्षा और खाद्य प्रबंधन पेशेवरों को पोषण विशेषज्ञों, खाद्य सुरक्षा प्रबंधक, खाद्य निरीक्षकों, खाद्य कानूनों और अन्य कई प्रावधानों में पोषण के विविध क्षेत्र में काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इस पाठ्यक्रम में कुल 30 सीटें स्वीकृत की गयी हैं और फीस 35130 प्रति सेमेस्टर होगी। छात्रों को प्रयोगशाला और क्षेत्र में (फील्ड में) सिद्धांत से अभ्यास तक संस्थागत, औद्योगिक और संगठनात्मक अनुभव दिया जाएगा।

THE PIONEER PAGE 3

LU unveils new course on World Health Day

Lucknow (PNS): On World Health Day, Lucknow University unveiled a new course in Nutritional Sciences in Public Health at Dr. Giri Lal Gupta Institute of Public Health and Public Affairs, second campus.

The aim is to advocate for 'My Health, My Right' and foster long-term public health promotion. Director of the institute Prof Shaili Malik explained that this four-semester course has been tailored to meet the increasing demand for safeguarding public health through nutrition.

"In this course, students will receive training in clinical nutrition, public health nutrition, food safety, and food management to pursue careers as nutritionists, food safety managers, food inspectors, and other related roles," she elaborated. The course, comprising 30 seats, comes with a fee of Rs 35,130 per semester. Students will gain hands-on experience through institutional, industrial, and organisational exposure, bridging theory with practical applications in laboratory and field settings.

Moreover, the geography department at LU will introduce several new courses for the academic session 2024-2025. Cultural Geography has been added to the syllabus for the seventh semester of undergraduate studies.

"This course aims to provide students with an understanding of the broader issues surrounding natural and cultural regions, and the complexities faced by humanity and its environment today," LU spokesperson Durgesh Srivastava said.

Furthermore, significant changes have been made to the syllabus of the eighth semester. The major project, previously worth 24 credits, has been reduced to 20 credits, aligning with other semesters. Research methodology and term papers account for four credits each, while a 12-credit research dissertation encourages practical application of research methods. Additionally, a two-credit course on Fundamental Geography has been incorporated into the co-curricular offerings of the first semester to familiarise students with basic geographical concepts.

Fundamental Remote Sensing and GIS (Global Information System) have been added to the vocational course of the second semester, aimed at enhancing students' skill development in technologies relevant to planning and management.

Moreover, a two-credit Disaster Management course has been introduced in the vocational curriculum of the fourth semester to equip students with skills for mitigating natural and man-made disasters, thereby reducing loss of life and property.

NBT PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय | इसी सत्र से शुरू होगा कोर्स, ऑनलाइन आवेदन शुरू

अब पढ़िए 'मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ इन न्यूट्रिशन साइंसेज'

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

NBT Lens
समझिए खबरों के अंदर की बात

कहां हैं नौकरी के मौके?

इस कोर्स को कर के पोषण विशेषज्ञ, स्वास्थ्य शिक्षा विशेषज्ञ, या अनुसंधानकर्ता के रूप में काम कर सकते हैं। आयुष चिकित्सा प्रणालियों में पोषण विशेषज्ञ बन सकते हैं। स्कूलों-कॉलेजों में पोषण शिक्षा कार्यक्रमों के विकास और कार्यान्वयन में शामिल हो सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) या विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) जैसे संगठनों में काम कर सकते हैं। विभिन्न राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों में काम कर सकते हैं जो पोषण और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में काम करते हैं। कई अन्य क्षेत्रों में भी नौकरी के मौके हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) में सत्र 2024-25 से 'मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ इन न्यूट्रिशन साइंसेज' कोर्स शुरू होगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू कर दिये गए हैं। वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि न्यू कैंपस स्थित डॉ. गिरी लाल गुप्ता इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड पब्लिक अफेयर्स में यह कोर्स शुरू किया जा रहा है। संस्थान की निदेशक प्रो.शैली मलिक ने बताया कि यह कोर्स दो वर्षों (4 सेमेस्टर) का यह कोर्स सार्वजनिक स्वास्थ्य की मांग को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। कोर्स में नैदानिक पोषण विशेषज्ञ, सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण विशेषज्ञ, खाद्य सुरक्षा प्रबंधक, खाद्य निरीक्षकों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा।

30 सीटों पर होने हैं प्रवेश

प्रो. शैली ने बताया कि कोर्स में 30 सीटें हैं। प्रति सेमेस्टर फीस 35,130 रुपये है। आवेदक के पास तीन/चार वर्षीय स्नातक की डिग्री होनी चाहिए या उसके समकक्ष चिकित्सा/आयुष/दंत चिकित्सा/पशु चिकित्सा विज्ञान/संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान/जीवन विज्ञान में डिग्री होनी चाहिए। जैव रसायन, पोषण, खाद्य और पोषण, पोषण में विशेषज्ञता के साथ गृह विज्ञान, प्राणी शास्त्र और सार्वजनिक स्वास्थ्य में बीएससी होना चाहिए।

PIONEER PAGE 3

एलयू में तीन दिवसीय नेशनल लॉ फ़ेस्ट का समापन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की एडीआर ड्राफ्टिंग एंड लिटरेसी सोसाइटी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय नेशनल लॉ फ़ेस्ट का समापन रविवार को हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर चीफ़ स्टैंडिंग काउंसिल माननीय प्रशांत सिंह अटल एवं विशिष्ट अतिथि जनरल मैनेजर महिला कल्याण विभाग एवं डिप्टी डायरेक्टर लखनऊ रीजन प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. बी.डी.सिंह एवं टीचर कोऑर्डिनेटर प्रो. हरिश्चंद्र राम भी उपस्थित रहे।

आज विभिन्न प्रतियोगिताओं का फाइनल हुआ, जिसमें सीनियर एडवोकेट हाईकोर्ट ऑफ़ जुडिकेचर ऐट इलाहाबाद, लखनऊ बेंच, प्रशांत चंद्रा एवं संजय भसीन जज रहे। लॉ फ़ेस्ट में देश भर के 70 से अधिक विश्वविद्यालयों के 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, दिल्ली एवं जम्मू विवि, क्लाइंट काउंसलिंग में महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी नागपुर एवं एनएमआईएमएस, लीगल क्विज़ में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ एवं जोधपुर विश्वविद्यालय तथा निगोसिएशन में सेंट जोसेफ़ लॉ कॉलेज बंगलोर एवं पंजाब विश्वविद्यालय की टीम क्रमशः विजेता एवं उपविजेता रही। प्रथम राउंड के आधार पर जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी की टीम सर्वश्रेष्ठ रही। क्लाइंट काउंसलिंग में पंजाब विश्वविद्यालय ने बेस्ट काउंसेल का अवार्ड प्राप्त किया। एडीआर ड्राफ़्टिंग एंड लिटरेरी सोसाइटी की प्रेसिडेंट आरजू नायाब ने सभी सम्मानित अतिथिगण, शिक्षकों, प्रतिभागियों एवं सोसाइटी के सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

एलयू में न्यूट्रीशन पर शुरू होगा कोर्स नवीन परिसर में होगा संचालित

लखनऊ। स्वास्थ्य के क्षेत्र में आमजन को जागरूक करने व छात्रों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में सफल कैरियर बनाने के उद्देश्य से इस बार लखनऊ विश्वविद्यालय नये सत्र से पोषण विज्ञान का नया पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। यह कोर्स विवि के डॉ. गिरी लाल गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड पब्लिक अफेयर्स की तरफ से नवीन परिसर में संचालित किया जायेगा। संस्थान की निदेशक प्रो शैली मलिक ने बताया कि पूरा पाठ्यक्रम दो वर्ष का होगा, जिसमें 4 सेमेस्टर होंगे। पाठ्यक्रम पोषण के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा की आगामी और उभरती मांग को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम में नैदानिक, पोषण विशेषज्ञ, सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण विशेषज्ञ और खाद्य सुरक्षा और खाद्य प्रबंधन पेशेवरों को पोषण विशेषज्ञों, खाद्य सुरक्षा प्रबंधक, खाद्य निरीक्षकों, खाद्य कानूनों और अन्य कई प्रावधानो में पोषण के विविध क्षेत्र में काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इस पाठ्यक्रम में कुल 30 सीटें स्वीकृत की गयी हैं और फीस/शुल्क 35130 प्रति सेमेस्टर होगी। उन्होंने बताया कि छात्रों को प्रयोगशाला और क्षेत्र में (फील्ड में) सिद्धांत से अभ्यास तक संस्थागत, औद्योगिक और संगठनात्मक अनुभव दिया जाएगा। हमारा संकल्प है भोजन को औषधि बना कर उत्तम स्वास्थ्य की ओर अग्रसर हों।

i-NEXT PAGE 4

अब न्यूट्रिशनल साइंस की पढ़ाई

i GOOD NEWS

एलयू के डा. गिरी लाल गुप्ता इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक हेल्थ एंड पब्लिक अफेयर्स में नए सत्र से शुरू होगा कोर्स

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (7 April): लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में संचालित डा. गिरी लाल गुप्ता इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक हेल्थ एंड पब्लिक अफेयर्स में नए सत्र 2024-25 से मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ इन न्यूट्रिशनल साईसेज कोर्स की पढ़ाई शुरू होगी. इसमें प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन, क्लिनिकल न्यूट्रिशन एवं फूड सर्विस मैनेजमेंट आदि तीनों में से कोई एक विशेषज्ञता ले सकेंगे. 30 सीटों वाले इस नए पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है.

कोर्स में चार सेमेस्टर होंगे

दो वर्षीय यह कोर्स चार सेमेस्टर का होगा. इसमें 96 क्रेडिट तय होंगे. कोर्स की फीस प्रति सेमेस्टर 35,130 रुपये होगी. इस कोर्स में तीन/चार साल की स्नातक डिग्री या समकक्ष (चिकित्सा, आयुष, दंत चिकित्सा, पशुचिकित्सा विज्ञान, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान, जीवन विज्ञान या बीएससी बायो केमिस्ट्री न्यूट्रिशन, फूड एंड न्यूट्रिशन के साथ होना जरूरी है. छात्र-छात्राओं को प्रयोगशाला और क्षेत्र में सिद्धांत से अभ्यास तक संस्थागत, औद्योगिक और संगठनात्मक अनुभव दिया जाएगा.

दी जाएगी ट्रेनिंग

इस संस्थान में मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ कोर्स संचालित है. अब मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ इन न्यूट्रिशनल साईसेज कोर्स शुरू होगा. संस्थान निदेशक प्रो. शैली मलिक ने बताया कि कोर्स के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा की आगामी और उभरती मांग को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है.

इसकी दी जाएगी ट्रेनिंग

कोर्स में पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन, क्लिनिकल न्यूट्रिशन एवं फूड सर्विस मैनेजमेंट के क्षेत्र में पेशेवरों को पोषण विशेषज्ञों, खाद्य सुरक्षा प्रबंधक, खाद्य निरीक्षकों, खाद्य कानूनों और अन्य कई प्रविधानों एवं पोषण के विविध क्षेत्र में काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा.

आदि तीनों में से कोई एक विशेषज्ञता ले सकेंगे. 30 सीटों वाले इस नए पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है.

JAGRAN CITY PAGE III

पीजी में अब न्यूट्रिशनल साइंस की भी पढ़ाई

लवि के डा. गिरी लाल गुप्ता इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक हेल्थ में नए सत्र से शुरू होगा कोर्स

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में संचालित डा. गिरी लाल गुप्ता इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक हेल्थ एंड पब्लिक अफेयर्स में नए सत्र 2024-25 से मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ इन न्यूट्रिशनल साईसेज कोर्स की पढ़ाई शुरू होगी। इसमें प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन, क्लिनिकल न्यूट्रिशन एवं फूड सर्विस मैनेजमेंट आदि तीनों में से कोई एक विशेषज्ञता ले सकेंगे। 30 सीटों वाले इस नए पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है

30 सीटों वाले इस नए पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है

अभी तक इस संस्थान में मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ कोर्स संचालित है। अब मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ इन न्यूट्रिशनल साईसेज कोर्स भी शुरू होगा। संस्थान की निदेशक प्रोफेसर शैली मलिक ने बताया कि इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा की आगामी और उभरती मांग को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। कोर्स में पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन, क्लिनिकल न्यूट्रिशन एवं फूड सर्विस मैनेजमेंट के क्षेत्र में पेशेवरों को पोषण विशेषज्ञों, खाद्य सुरक्षा प्रबंधक, खाद्य निरीक्षकों, खाद्य कानूनों और अन्य कई प्रविधानों एवं पोषण के विविध क्षेत्र में काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

कोर्स में चार सेमेस्टर होंगे : दो वर्षीय यह कोर्स चार सेमेस्टर का होगा। इसमें 96 क्रेडिट तय होंगे। कोर्स की फीस प्रति सेमेस्टर 35,130 रुपये होगी। इस कोर्स में तीन/चार साल की स्नातक डिग्री या समकक्ष (चिकित्सा, आयुष, दंत चिकित्सा, पशुचिकित्सा विज्ञान, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान, जीवन विज्ञान या बीएससी बायो केमिस्ट्री न्यूट्रिशन, फूड एंड न्यूट्रिशन के साथ होना जरूरी है। छात्र-छात्राओं को प्रयोगशाला और क्षेत्र में सिद्धांत से अभ्यास तक संस्थागत, औद्योगिक और संगठनात्मक अनुभव दिया जाएगा।